at a Conference of Indian Medical Association in New Delhi on 9th October, 1994 according to which another rat borne disease LEPTOSPIROSIS may be stalking the country; and

(b) if so, the action Government have taken to check the outbreak of the disease?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) Yes, Sir.

(b) National Institute of Communicable Diseases of this Ministry provides technical assistance to the States to investigate and contain leptospirosj$_s$ cases whenever reported.

Adverse effects of anti-dh*rrhocal Drugs

93. SHRI RAJN1 RAMJAN SAHU: Wil! the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE b$_6$ pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news-item on page 10, cols. 2-8 of The Pioneer' (N.D.) dated the 1st October, 1994 under the caption 'Anti-diarrhoeals', cure worse than the disease', wherein it has been stated that anti-diarrhoeal druys do more harm than benefits;

(b) if so, what is Government's reaction thereon; and

(c) the steps Government propose to take to ban such drugs?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Based on the recommenda-tiota of the Drugs Technical Advisory Board, Government have already initiated action to ban certain categories of anfi-diarrhocal drugs, which cannot stand ntific scrutiny for paediatric use. This includes Diphenoxylate.

प्लेग के रोगाणुओं को सुरक्षित रखा जाना

94. **श्री कैलाश नारायण सारंग:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत कुछ महीनों में देश के किन-किन राज्यों में प्लेग से संक्रकित रोगी पाए गये और प्लेग से ग्रस्त रोगियों की राज्य-वार संख्या कितनी थी तथा इस रोग से कितने व्यक्तियों की मृत्यु हुई है ;

(ख) प्लेग के प्राप्त हुए रोगाणुओं को जांच हेतु कहां-कहां रखा गया है और क्या इन रोगाणुओं को समाप्त कर दिया गया है अथवा किसी विशेष स्थान पर सुरक्षित रखा गया है ; और

(ग) इन रोगाणुओं को सुरक्षित रखे जाने के क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द): (क) महाराष्ट्र गुजरात, दिल्ली, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में संभावित रोगी पाए गए थे । ब्यौरा विवरण में दिया गया है ।

(ख) और (ग) स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा सभी प्रभावित स्थानों से रोगियों के रोग-विषयक नमूनों की जांच की गई है । थूक, रक्त, बुबो एस्पीरेटस आदि जैसे नमूनों की राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली तथा हाफिकन संस्थान, बम्बई में भी जांच की गई है । ग्वालियर स्थित डी.आर.डी.ओ. प्रयोगशाला भी नमूनों के विश्लेषण में सहायता कर रहा है ।

विवरण उपाबन्ध–I

राज्य	संभावित रोगी	मौतें
महाराष्ट्र	596	शून्य
गुजरात	151	52
दिल्ली	68	1
कर्नाटक	50	1
उत्तर प्रदेश	10	शून्य
मध्य प्रदेश	1	शून्य
	876	54

राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान से मिली रिपोर्ट